

आज

बेबाक

अनलॉक-1 और अनलॉक-2 के दौरान भारत में कोरोना वायरस की जो हैरत अंग्रेज रफ्तार देखने को मिल रही है, उससे कई राज्यों के अनेक शहरों में फिर से लॉकडाउन करने की नौबत आ गई है। ऐसी स्थिति में पीएम मोदी 27 जुलाई को देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अनलॉक-3 पर चर्चा करने जा रहे हैं। बेहतर होता कि पीएम मोदी कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों से भी विस्तृत चर्चा कर लेते। विशेषज्ञों से राय मशवरा कर के ही आगे की रणनीति बनाते तो ज्यादा कारआमद नतीजा हाथ लगता।

खास खबर

आईआईटी खड़गपुर की तकनीक से एक घंटे में कोरोना रिपोर्ट

नई दिल्ली/नवप्रदेश। कोरोना टेस्ट के तुरंत नतीजे प्राप्त करने के लिए आईआईटी खड़गपुर के शोधकर्ताओं ने इस नई तकनीक का आविष्कार किया है। शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि इस टेक्नॉलजी की मदद से कोरोना का रैपिड टेस्ट किया जा सकता है। इसके जरिए कोरोना टेस्ट के नतीजे पहले के मुकाबले काफी कम समय में हासिल किए जा सकते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि यह एक कस्टोमाइज्ड स्मार्टफोन एप्लीकेशन है, जिसकी मदद से एक घंटे में बिना किसी मैनुअल इंटरप्रिटेशन के कोरोना टेस्ट का रिजल्ट हासिल किया जा सकता है। आईआईटी की इस अद्भुत खोज से कोरोना टेस्ट बढ़ाने की दिशा में काफी मदद मिल सकती है। स्वास्थ्य विभाग इसे अच्छे संकेत के तौर पर ले रहा है। डिवाइस हर किसी के लिए सुलभ भी होगी क्योंकि इसकी कीमत भी बेहद मामूली है। शोधकर्ताओं ने बताया कि इस अल्ट्रा पोर्टेबल डिवाइस की कीमत सिर्फ 400 होगी।

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	13,64,475	31,687
अमेरिका	42,64,689	148,666
ब्राजील	2,348,200	85,385
ब्रिटेन	297,914	45,677
मैक्सिको	378,285	42,645
इटली	245,590	35,097
फ्रांस	180,528	30,192
स्पेन	319,501	28,432
ईरान	288,839	15,484
रूस	806,720	13,192

शेयर बाजार

संसेक्स - 38128.90

निफ्टी - 11194.15

गोल्ड - 51010 (10 ग्र.)

सिल्वर - 61221 (1 कि ग्र.)

राजधानी में टूटे पिछले सारे रिकॉर्ड , 24 घंटे में मिले 221 नए पॉजिटिव

सीएम चौहान भी कोरोना पॉजिटिव, भर्ती

10 दिनों के लिए पूरी तरह से लॉक राजधानी

रिपोर्ट 221 संक्रमित मिले, चिरायु अस्पताल के डायरेक्टर अजय गोयनका के परिवार के 4 सदस्य पॉजिटिव

नव प्रदेश संवाददाता

मिले। शनिवार को राज्य कोविड-19 सेंटर चिरायु अस्पताल के निदेशक अजय गोयनका के परिवार के चार सदस्य भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इधर, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद उन्हें चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीएम के संपर्क में आए लोग एहतियात बरतते हुए क्वारंटाइन हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के परिजन के भी आज सैपल लिए जा सकते हैं। इससे पहले बुधवार को 196 संक्रमित मिले थे। गुरुवार को शेष पृष्ठ 7 पर

भोपाल। राजधानी में कोरोना का संक्रमण कम्प्यूनिटी स्तर पर पहुंच गया है। शनिवार को यहां एक दिन में कोरोना के सबसे ज्यादा मरीज मरिज मिले थे

भोपाल में 10 दिन का लॉकडाउन लग चुका, इससे पहले यहां पर बुधवार को सबसे ज्यादा 196 मरीज मिले थे

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। शनिवार को ही उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। उन्होंने खुद ट्वीट करके इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया- मुझे कोविड-19 के लक्षण आ रहे थे, टेस्ट के बाद मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेरी सभी साथियों से अपील है कि जो भी मेरे संपर्क में आए हैं, वह अपना कोरोना टेस्ट करवा लें। मेरे निकट संपर्क वाले लोग क्वारंटाइन में चले जाएं।' उन्होंने अपने संदेश में यह भी कहा कि वे इलाज के दौरान ही राज्य की कोरोना संबंधी समीक्षा करने का प्रयास वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से करेंगे। अन्यथा यह कार्य वरिष्ठ मंत्री नरोत्तम मिश्रा, भूपेंद्र सिंह, विश्वास सारंग और प्रभुराम चौधरी करेंगे। बाद में वे अपना इलाज शेष पृष्ठ 7 पर

संपर्क में आए लोग बरत रहे ऐहतियात

इस बीच श्री चौहान के संपर्क में पिछले चार पांच दिनों के दौरान आए मंत्री, अधिकारी, नेता और अन्य व्यक्ति भी आवश्यक ऐहतियात बरत रहे हैं। वे अपने सरकारी दायित्व के साथ ही या तो क्वारंटाइन होकर अपने स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए हैं या फिर ऐहतियात कोटेशन संबंधी जांच करा रहे हैं।

सरकारी ऑफिस भी खुलेंगे

इधर, सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर कहा है कि राज्य स्तरीय दफ्तरों में अधिकारियों की 100 फीसदी उपस्थिति होगी। वहीं 30 फीसदी कर्मचारियों को ऑफिस आना होगा। राज्य स्तरीय कार्यालयों में वल्लभ भवन (मंत्रालय), सतपुड़ा भवन और अरेरा हिल्स के अन्य कार्यालय जो राज्य शासन के अधीन कार्य करते हैं।

सिर्फ जरूरत पर ही निकलने की अनुमति

भोपाल में शुक्रवार की रात 8 बजे से टोटल लॉकडाउन लग चुका है। ऐसे में सिर्फ जरूरी सेवाओं और जरूरत होने पर ही लोगों को बाहर निकलने की अनुमति है। इसके लिए भी कारण और अपना आईकार्ड साथ में होना जरूरी है। शुक्रवार रात ही दो घंटों में 7 थाना क्षेत्रों की पुलिस ने 9 केस दर्ज करके 14 लोगों को पकड़ा। इन पर बिना किसी कारण से घर से बाहर घूमते मिलने पर 188 के तहत कार्रवाई की गई। शनिवार शाम 6 बजे तक राजधानी के अलग-अलग थानों में 50 एफआईआर हो चुकी थी। इसमें पुलिस ने 51 लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि 16 वाहनों को भी जब्त किया।

अब बेकाबू हुआ कोरोना

राजधानी में कोरोना बेकाबू हो गया है। भोपाल केयर हॉस्पिटल से 4 कर्मचारी, एम्स का एक डॉक्टर, एसबीआई हेड ऑफिस से 2 कर्मचारी संक्रमित पाए गए। अधिकारियों और मंत्रियों की कालोनी चार इमली के ऋषि नगर से 6 लोग संक्रमित हुए हैं। जहांगीराबाद से 7, पॉश अरेरा कालोनी से 5 और घोड़ा नकासा से 6 लोग हुए संक्रमित हुए हैं।

8 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने परीक्षा दी है मप्र बोर्ड:12वीं का परीक्षा परिणाम 27 जुलाई को

पहली बार 10वीं का रिजल्ट घोषित होने के बाद आ रहा 12वीं का परिणाम

परीक्षा परिणाम ऑनलाइन जारी किए जाएंगे, कोई कार्यक्रम नहीं होगा

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम 27 जुलाई (सोमवार) दोपहर 3 बजे घोषित कर दिया जाएगा। मंडल के पीआरओ एसके चौरसिया ने बताया कि इस बार 8 लाख से ज्यादा छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए हैं। लॉकडाउन के कारण कुछ पेपर रद्द हो गए थे, जिन्हें बाद में कराया गया। बच्चे

इसे ऑनलाइन देख पाएंगे। पहली बार 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम अलग-अलग घोषित किए जा रहे हैं। इसे छात्र ऑनलाइन देख पाएंगे। इसके लिए मंडल ने 4 सरकारी वेबसाइट पर इसे अपलोड किया है। सोमवार दोपहर 3 बजे के बाद छात्र इन पर जाकर अपने रोल नंबर के आधार पर इसे देख सकेंगे। इसके साथ मोबाइल एप पर भी छात्र रिजल्ट देख सकेंगे। शेष पृष्ठ 7 पर

30 साल में पहली बार दोनों रिजल्ट अलग-अलग

लॉकडाउन के कारण परीक्षाएं भी स्थगित कर दी थीं। इसमें 20 मार्च से 31 मार्च तक होने वाली सभी परीक्षा थीं। 1 से 11 अप्रैल तक चलने वाली दृष्टिहीन नूकबधिर (दिव्यांग) छात्रों की परीक्षाएं भी रद्द कर दी गईं। 30 साल में पहली बार 10वीं और 12वीं के रिजल्ट अलग-अलग घोषित किए जा रहे हैं।

इस मानसून उत्तर व मध्य भारत में काफी कम बारिश के आसार

अमेरिकी एजेंसी ने मॉनसून के कम-दबाव तंत्र के घटने का अनुमान जताया

नई दिल्ली ए.। अमेरिका की एक साइंटिफिक एजेंसी ने भारत में इस साल मॉनसून के दौरान बारिश में काफी कमी आने की चेतावनी दी है। एजेंसी के मुताबिक उत्तर और मध्य भारत में इस साल सामान्य से काफी कम बारिश हो सकती है। नेशनल ओसैनिक एंड राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन (एटमोस्फेरिक ऐडमिनिस्ट्रेशन) के अध्ययन में यह बात सामने आई है। अध्ययन में पता चला है कि क्षेत्र में मॉनसून लो-प्रेसर सिस्टम (एमएलएसपी) में कमी शेष पृष्ठ 7 पर

मानसून का कम दबाव तंत्र बेहद जरूरी

ध्यान देने वाली बात यह है कि एमएलएसपी भारतीय उपमहाद्वीप में बारिश के पीछे एक बड़ा फैक्टर है। नॉर्थ और सेंट्रल इंडिया में सालाना गिरती बारिश होती है, उसमें से आधे से ज्यादा बारिश के लिए एमएलएसपी को ही जिम्मेदार माना जाता है।

उत्तराखंड चारधाम के सभी श्रद्धालु सशर्त कर सकेंगे दर्शन

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने बाबा केदारनाथ, बाबा बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री चारों धाम के दर्शनों पर लगा प्रतिबन्ध अब समाप्त कर दिया गया है और देश के सभी श्रद्धालुओं के लिए भी सशर्त चारधाम यात्रा खोल दी गई है। इससे पहले अभी तक केवल राज्य के श्रद्धालुओं को ही यात्रा की अनुमति थी। सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि इस दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) को लेकर अन्य सामान्य आदेश भी लागू रहेंगे। उन्होंने बताया कि अब राज्य में बाहरी श्रद्धालुओं को भी चारधाम यात्रा पर आने की अनुमति होगी, लेकिन उनके पास उत्तराखंड आने के 72 घंटे पहले तक की आरटीपीसीआर निगेटिव रिपोर्ट होनी चाहिए। इसके साथ ही वे श्रद्धालु भी यात्रा कर सकते हैं, जो उत्तराखंड पहुंचकर निर्धारित क्वारंटीन अवधि को पूरा कर चुके होंगे। यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु देवस्थान प्रबंधन बोर्ड की वेबसाइट पर पंजीकरण करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने किया आगाह

कर्नाटक, केरल में हो सकते हैं आईएसआईएस के काफी आतंकी

बेंगलुरु/ए.। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में आगाह किया गया है केरल और कर्नाटक में आईएसआईएस आतंकवादियों की 'काफी संख्या' हो सकती है और इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा आतंकवादी संगठन, क्षेत्र में हमले की साजिश रच रहा है। माना जाता है कि इस संगठन में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार के 150 से 200 आतंकवादी हैं। केरल का तो पहले ही पता है पीएफआई संगठन वहीं तो बना था को बाद में दूसरे राज्यों में

आतंग फैलाने का काम किया। आईएसआईएस, अल-कायदा और संबद्ध व्यक्तियों एवं संस्थाओं से संबंधित विश्लेषणात्मक सहायता एवं प्रतिबंध निगरानी दल की 26वीं रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) तालिबान के तहत अफगानिस्तान के निमरूज, हेलमंद और कंधार प्रांतों से काम करता है। इसमें कहा गया, 'खबरों के मुताबिक संगठन में बांग्लादेश, भारत, म्यांमार और पाकिस्तान से 150 से 200 के बीच सदस्य हैं। खबरें हैं कि एक्यूआईएस

अपने पूर्व आका की मौत का बदला लेने के लिए क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई की साजिश रच रहा है।' रिपोर्ट के मुताबिक, 'एक सदस्य राष्ट्र ने खबर दी है कि 10 मई, 2019 को घोषित, आईएसआईएस के भारतीय सहयोगी (हिंद विलायाह) में 180 से 200 के बीच सदस्य हैं।' पिछले साल मई में, इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस, आईएसआईएस और दाएश के तौर पर भी जाना जाता है) आतंकवादी संगठन ने भारत में नया 'प्रांत' स्थापित करने का दावा किया था।

गरमा-गरम

शिवराज को कोरोना, नेताओं की बड़ी धुकधुकी

तेरा स्पॉट नहीं चाहिए भाई..

वैक्सीन ट्रायल कई ऐसे जो संक्रमित होकर स्वस्थ भी हुए पर नहीं चला पता, ऐसे लोगों पर ट्रायल कठिन

ज्यादातर वॉलंटियर्स में पहले से ही ऐंटीबॉडी मौजूद

नई दिल्ली/ए.। कई लोग ऐसे हैं जो कोरोना संक्रमित होकर ठीक भी हो गए और उन्हें पता भी नहीं चला कि वे कोरोना संक्रमित हुए थे। कोरोना वायरस की देसी वैक्सीन के ह्यूमन ट्रायल के दौरान यह बात सामने आई। ह्यूमन ट्रायल के लिए सामने आए दिल्ली में रहने वाले ज्यादातर वॉलंटियर्स के शरीर में पहले से ही कोरोना के खिलाफ ऐंटीबॉडी मौजूद है। इसका मतलब है कि वे ट्रायल के लिए योग्य नहीं हैं। यह ह्यूमन ट्रायल के लिए चुनौती है। हालांकि अच्छी खबर यह है कि वायरस के ऐसे लोग वायरस के प्रति इम्यून हो चुके हैं। यानी अब उन्हें कोरोना संक्रमण का खतरा नहीं है। शेष पृष्ठ 7 पर

ये है प्रक्रिया

दरअसल, ट्रायल से पहले वॉलंटियर्स की स्क्रीनिंग होती है और जांचा जाता है कि उनमें पहले से कोई रोग तो नहीं है। दिल्ली से बाहर के लोगों पर ट्रायल करने में यह दिक्कत है कि उन्हें मॉनिटर करने और उनमें आए

ट्रायल के लिए 3500 लोगों ने कराया है रजिस्ट्रेशन

दिल्ली एम्स में कोवाक्सीन के पहले चरण का ह्यूमन ट्रायल चल रहा है। इस चरण में संस्थान को 100 वॉलंटियर्स पर ट्रायल करना है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली एम्स के ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए करीब 3500 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें से 50 प्रतिशत से ज्यादा दूसरे राज्यों के हैं।

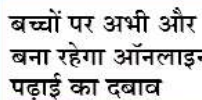
किसी साइड इफेक्ट को ठीक करना एम्स के लिए कठिन होगा। अगर वॉलंटियर दिल्ली के ही होंगे तो उनकी निगरानी और उनमें आने वाले किसी साइड इफेक्ट की समस्या को दूर करने में आसानी होगी।

बिहार चुनाव : अतिरिक्त 34 हजार पोलिंग स्टेशन बनेंगे

नई दिल्ली/ए.। कोरोना वायरस के प्रसार के बीच चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव को कई सावधानियां बरतते हुए कराने का फैसला लिया है। आयोग ने निर्णय किया है कि बिहार चुनाव सोशल डिस्टेंसिंग, पीपीई किट्स, थर्मल स्कैनिंग, बूथों की संख्या आदि में बढेतर की के साथ कराया जाएगा। बिहार में चुनाव कराने के लिए पोलिंग बूथ की संख्या में भी इजाफा किया जाएगा। इस बार 34 हजार पोलिंग बूथ अतिरिक्त बनाए जाएंगे। इस तरह कुल संख्या 1,06,000 होगी। यह आमतौर चुनाव में बनाए जाने वाले पोलिंग बूथों के मुकाबले 45 फीसदी अधिक है। चुनाव आयोग ने अपने प्रस्तावित हों और न की सूची में मतदाताओं को बड़ी सभाओं में भाग लेने के दौरान फेस मास्क पहनने के लिए सुनिश्चित करने के लिए कहा है। प्रतिबंध बड़े सार्वजनिक समारोहों पर लगाए गए हैं जिनमें 'पूजा स्थल' भी शामिल है।

द ज़ैनेटरी सोसाइटी के अनुसार 1 मीटर से अधिक व्यास वाले लगभग 1 बिलियन एस्टेरॉयड हैं लेकिन ये पृथ्वी के लिए कोई खतरा पैदा नहीं करते हैं। 30 मीटर से बड़े आकार वाले एस्टेरॉयड धरती को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं। कहा जाता है कि हर साल पृथ्वी से लगभग 30 छोटे एस्टेरॉयड टकराते हैं, लेकिन कल्पित धरती को बड़ी क्षति नहीं होती है।

नई दिल्ली 11826 - लिथुआनिया में हिंसा में कत्तयहियों का मौत। 1844 - भारत के प्रमुख शिक्षाविद् गुरुदास बनर्जी का जन्म। 1876 - कलकत्ता में ईस्टइन् एम्प्लोयर्सएशन् का स्थापना की गयी। 1945 - लिथुनिया चर्चिल ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया। 1951 - नीदरलैंड ने जर्मनी के साथ युद्ध समाप्त किया। 1953 - कम्युनिस्ट क्रांतिकारी फिदेल कास्त्रो के नेतृत्व में क्यूबा की क्रांति की शुरुआत हुई। 1965 - मालदीव को ब्रिटेन से आजादी मिली। 1974 - प्रसन्न ने मुरुओरा द्वीप में परमाणु परीक्षण किया। 1993 - दक्षिण कोरिया में बोंगंग विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से 66 यात्री मारे गए। 1994 - तुर्की की वायु सेना ने कुर्दों पर बमबारी की, 70 मारे।



न्यूज गैलरी

भू माफियाओं ने श्मशान घाट पर बनी ऐतिहासिक समाधि यों को किया जमींदोज

छतरपुर। हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा शासकीय जमीन पर बने एक मकान को जमींदोज करने की कार्रवाई की गई जिसके बाद लग रहा था कि भू माफियाओं में प्रशासन का कुछ तो डर बनेगा परंतु भू माफिया प्रशासन पर पहले भी हावी थे और अब भी हैं । लोकंडाउन मे जहां सारा प्रशासन पुलिस लोगों की सुरक्षा और हिकाजत के लिए दिन रात एक कर रहा है तो वहीं इस लोकंडाउन का फायदा उठाकर भूमफिया अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देकर शासकीय जमीन पर कब्जा करने की तैयारी करने लगे हैं ताजा मामला सामने आया है छतरपुर शहर के राजनगर नगर बाईपास रोड से सिवाड़ी नदी के पास था जहां मुक्तिधाम के पास एक प्राचीन श्मशान घाट बना हुआ है यहां कई समाधिया बरसों से बनी हुई हैं जिन्हें भू माफियाओं ने जमींदोज कर दिया है और इस जमीन पर जेसीबी चलवा दी है अब भूमफिया इस जमीन पर प्लॉट बेचने की तैयारी में लगे हुए हैं प्रशासन यदि तत्काल इस पर कार्रवाई करे तो हिंदू समाज का यह श्मशान घाट और प्राचीन समाधिया को बचाया जा सकता है।

समाज सेविका डॉक्टर कंचन शुक्ला बनी मानवअधिकार न्यायिक सुरक्षा संघ की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष



छतरपुर/ बिजावर। अन्याय के खिलाफ हमेशा अपनी आवाज बुलंद रखने वाली समाज सेविका डॉक्टर कंचन शुक्ला कोविड-19 महामारी के समय प्रत्येक गरीब व्यक्ति के घर-घर जाकर राशन एवं खाद्य सामग्री का वितरण करना हो चाहे भूखे व्यक्ति को भोजन कराना हो, कोई भी गरीब एवं असहाय व्यक्ति हो डॉक्टर कंचन शुक्ला हर संभव मदद के लिए तैयार रहती है। भ्रष्टाचार अन्याय के प्रति डटकर सामना करने के लिए सदैव तत्पर रहती हैं। इसी समाज सेवा को देखते हुए मानवाधिकार न्यायिक सुरक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष तरुण शर्मा ने डॉक्टर कंचन शुक्ला को मानवाधिकार न्यायिक सुरक्षा संघ का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है, डॉक्टर कंचन शुक्ला ने कहा कि महिलाओं के प्रति होने वाले अत्याचार के खिलाफ उनके हक की लड़ाई लड़ती रहूंगी और समाज के प्रति जो भी सेवा हमसे बनेगी वह हम सदैव करते रहेंगे।

परिवार व बच्चों के साथ साथ अपनी ड्यूटी भी निभा रही है गीता अहिरवार

पोस्ट आफिस में आने वाले तारादेही क्षेत्र के लोगों को नहीं होती परेशानी हमेशा करती रहती है लोगों की मदद अच्छा कार्य देख करते हैं क्षेत्र के लोग तारीफ

विशाल रजक तेन्दुखेड़ा। कोरोना वायरस जैसी महामारी पूरी दुनिया में अपने पैर पसार चुकी है और लाखों लोगों को भी अपनी चपेट में ले चुकी है ऐसे में ये खसनाक वायरस आज दिन व प्रतिदिन और बढ़ता जा रहा है जहां अब तक इसका कोई भी इलाज और वैक्सीन बनकर सामने नहीं आई है इसी बीच दुनिया के सभी देशों में लोकंडाउन लगाया गया था लेकिन यहां पर इस संकट के बीच डॉक्टर दूसरे सरकारी कर्मचारी और

रायसेन जिले के एक मंदिर में लगती है नागों की अदालत

साँप के काटे हुए लोगों के लिए मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के एक मंदिर में नागपंचमी के दिन नागों की अदालत लगती है।

जहां न वकील, न दलील, न गवाह, फिर भी नागों की अदालत में न्याय मिलता है

राजकिशोर सोनी

रायसेन। लोकंडाउन के बाद भी इसमें आज भोपाल एवं सागर के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कहा जाता है कि इसान जब अपराध करता है या उस पर जुल्म होता है अदालत में उसे दंड और न्याय मिलता है।जब कोई जीव इसान पर जुल्म करे या इसान जीव पर जुल्म करे उसे न्याय किस अदालत में मिलेगा। रायसेन जिले में एक ऐसी अदालत जहाँ कोई बकील नही होता और न ही कोई गवाह ,लेकिन न्याय एक दम

सत्य मिलता है। बह अदालत है नागों की अदालत और शेष नाग के सामने होता है सत्य असत्य का न्याय.

न वकील, न दलील, न गवाह, फिर भी नागों की अदालत में मिलता है मुकम्मल न्याय ।रायसेन जिले के गैरतगंज तहसील के श्रीराम रसियाधाम सीहोरा खुर्द में नागपंचमी के अवसर पर नागों की अदालत लगती है. मान्यता है कि इस अदालत में आने वाला कोई भी इसान बिना न्याय के वापस नहीं जाता है। रायसेन जिले के गैरतगंज तहसील के सिद्ध क्षेत्र श्रीराम रसियाधाम सीहोरा खुर्द में आज नागपंचमी के अवसर पर नागों की अदालत लगी। यह आयोजन हर



साल सीहोरा खुर्द में होता है। आयोजन के दौरान सर्पदंश से पीड़ित रहे लोगों के शरीर में नागों की आत्मा ने प्रवेश कर काटने का कारण बताया। यह लोग नागों द्वारा सताने के बाद सीहोरा दरबार में पहुंचे थे। अपने तरह के अनोखे एवं चमत्कारिक इस आयोजन को

देखने के लिए दूर दराज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।ग्राम सीहोरा खुर्द श्री हनुमानजी एवं श्री शिवजी के सिद्ध स्थान के लिए ख्यातिलब्ध है। सीहोरा में नागदेव का चबूतरा है। जहां प्रतिवर्ष नागपंचमी के मौके पर नागों की अदालत लगती है। प्रातः से ही

इस आयोजन की तैयारियां होने लगी थी। क्षेत्रभर में हो रही तेज वर्षा के बावजूद इस आयोजन के लिए हजारों की संख्या में लोग जुटे। इस आयोजन में रायसेन जिले के सिलबानी, बरेली, उदयपुरा, सुल्तानपुर, औबेदुल्लागंज, बेगमगंज सहित अन्य स्थानों में सीहोरा, भोपाल एवं सागर के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। आप भी देख सकते हैं कि नाग पीड़ित व्यक्ति खुद बोलता है कि उसके साथ ऐसा क्या हुआ कि सर्प ने काटा,एक महिला पंकी ने बताया कि उसको 4 साल से कई बार सर्प काट चुका था और बह ठीक हो जाती थी , यह बात उसके पति जमना प्रसाद ने बताई और बह भी

शेषनाग के सामने बोली कि बह नागिन थी जिसकी मौत हो गई थी और उसे मनुष्य जन्म मिला लेकिन उसने अपने पति और तीन बेटियों को छोड़ किसी दूसरे से शादी कर ली जिसे जला दिया गया और बह वर्तमान जन्म में नाग और नागिन से परेशान थी जिसे यहां न्याय मिला। सीहोरा स्थित नागदेव के चबूतरे पर नागों की अदालत लगी। दूर-दराज के दर्जनों लोग जो बीते वर्ष में सर्पदंश से पीड़ित थे। वे यहां पंडाजी अजब सिंह की मौजूदगी में बारी-बारी से पीड़ित रहे दर्जनभर से अधिक लोगों के शरीर में नागों की आत्मा ने प्रवेश कर संबंधित व्यक्ति को काटने का कारण बताया है। यही नहीं प्रविष्ट

नाग की आत्मा ने भविष्य में किसी व्यक्ति को पीड़ा न पहुंचाने की वचनबद्धता भी जताई। मौके पर मौजूद सर्पदंश से पीड़ित रहे व्यक्तियों के परिजन गंगाराम, वेदप्रकाश, लक्ष्मीबाई, आदेश, जयराम आदि ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए बताया कि वे नाग के सताए हुए व्यक्तियों को सीहोरा दरबार में लाए थे तथा यहां से गांसी बंधवाने के बाद आराम मिल गया था।अजब सिंह गुजर (पंडा बाबा)ने बताया कि यहां की परम्परा अनुसार अब नागपंचमी पर इस आयोजन में आए हैं। इस आयोजन को देखने के लिए क्षेत्र सहित दूर दराज के श्रद्धालु बड़ी संख्या में सीहोरा खुर्द पहुंचे।

घर में घुसकर हवाई फायर कर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी का जमानत आवेदन निरस्त

नव प्रदेश संवाददाता

छतरपुर । घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देते हुये हवाई फायर करने वाले आरोपी का मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विपीन सिंह भदौरिया की कोर्ट ने आरोपी सलमान सौदागर का जमानत आवेदन निरस्त कर दिया है। जिला अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी ने बताया कि फरियादी दीपक अरजरिया ने थाना कोतवाली में उपस्थित होकर इस आशय का आवेदन दिया कि दिनांक 26 जून 2020 को रात्रि 8 बजे वह अपने घर पर था, तभी दरवाजे में लात मारने की आवाज सुनकर वह कमरे से बाहर आया तो देखा कि चार लोग आगन में गाली देते हुए तीन हवाई फायर किये। जैसे ही आरोपियों ने फरियादी को देखा तो उसकी तरफ कट्टा अड़ा दिया तो फरियादी ने अपना दरवाजा तुरंत बन्द किया और आरोपीगण बुरी-बुरी गाली देते हुए यह कहते गये कि नसीम खान से पंगा लोगे तो जान से मारे जाओगे और सड़क पर



हवाई फायर करते हुये वहां से चले गये। फरियादी की उक्त आवेदन पर थाना कोतवाली में अपराध पंजीबद्ध किया गया। विवेचना दौरान आरोपी सलमान पिता सुल्तान सौदागर निवासी नारायणपुरा रोड ने न्यायालय में जमानत आवेदन दिया। सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से शिवाकांत त्रिपाठी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी ने जमानत आवेदन का विरोध करते हुये तर्क प्रस्तुत किये तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विपीन सिंह भदौरिया ने तर्क से सहमत होते हुए आरोपी का आवेदन को निरस्त कर दिया।।

नारियल बाबा पर महिला ने लगाया दुष्कर्म का आरोप, धर्म की आड़ में किया शोषण

नव प्रदेश संवाददाता

जबलपुर। जबलपुर जिले के संजीवनी नगर में पुलिस ने एक ढोंगी नारियल बाबा को रेप के आरोप में गिरफ्तार किया है। पीड़ित महिला ने संजय महाराज पर धर्म-कर्म की आड़ में रेप करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला विजयनगर की रहने वाली है। संजीवनी नगर थाना पुलिस आरोपी संजय उपाध्याय से विस्तार से पूछताछ कर रही है। नारियल बाबा के नाम से मशहूर ढोंगी बाबा लोगों की सभी समस्याओं का समाधान करने का दावा करता है। दस सालों में हजारों लोगों को आश्वासन देकर अपना शिष्य बनाया है। दूसरों की मुसीबतें दूर करने वाले संजय महाराज सलाखों के पीछे खुद मुसीबत में हैं। अखबार और



चैनलों में इनके महिमामंडन के कई विज्ञापन भी चले हैं।

लंबे अरसे से कई शिकायत लेकिन पुलिस करती रही बचाव

इस बाबा के खिलाफ जबलपुर के कई थाना इलाकों में शिकायतें दर्ज है



लेकिन पुलिस इस पर कोई भी कार्यवाही नहीं करती थी बाबा का ढोंग का कारोबार सिर्फ जबलपुर तक नहीं था मध्य प्रदेश के इंदौर ब्यालियर में भी बाबा ने अपनी दुकान जमा रखी थी तो वहीं छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भी बाबा की लंबी दुकानों में सजावट

थी अब जब बाबा पुलिस की गिरफ्त में है तो पुलिस को और भी खुलासे करना चाहिए लेकिन अभी सिर्फ रेप के मामले में बाबा को गिरफ्त में लिया गया है बाबा जब गिरफ्त से बाहर था तो लंबी लंबी बातें करता था लंबी-लंबी पहुंच दिखाता था लंबे वक्त से पुलिस से अपनी पहुंच और धनवर्षा करके बचता भी जा रहा था लेकिन अब जब पाप का चड़ा फूटा तो बाबा सलाखों के पीछे हैं ऐसे में बाबा से जुड़े लोग भी दहशत में हैं बताया जाता है कि बाबा के साथ कुछ नेताओं की टोली भी जुड़ी थी जो बाबा के पाप में सहभागी थी जिसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है लेकिन भविष्य में बाबा के और भी कारनामे सामने आएंगे

आगामी पर्वों पर बड़ी मूर्तियों की स्थापना नहीं,छोटी मूर्तियां घर पर ही स्थापित कर पूजा अर्चना की जायेगी कलेक्टर श्री राठी ने बैठक में दिये अह्म दिशा निर्देश

विशाल रजक दमोह। कलेक्टर श्री तरुण राठी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन जिला कार्यालय के सभाकक्ष में गत दिवस किया गया, जिसमें अहम निर्णय लिये गये। आगामी धार्मिक पर्वों पर चर्चा की गई, मूर्तिकां एवं धर्मगुरुओं की बैठक किये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दमोह/हटा/ पथरिया/ तेंदुखेड़ा को निर्देशित किया गया। उन्होंने समस्त अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जिला दमोह से कहा वे शांति समिति की बैठक आयोजित करेंगे। आगामी पर्वों पर बड़ी मूर्तियों की स्थापना नहीं की जावेगी तथा छोटी मूर्तियां घर पर ही स्थापित कर पूजा अर्चना की जायेगी। मूर्तियों

का विसर्जन पूर्व वर्षों की भांति नहीं किया जावेगा। नवरात्रि ज्वारे विसर्जन की व्यवस्था अनुसार ही घर से मूर्तियां एकत्रित कर विधि विधान से विसर्जन किया जायेगा। इसी प्रकार विवाह समारोह में 50 के स्थान पर 20 व्यक्ति, अंतिम संस्कार में 20 व्यक्ति तथा जन्म दिवस समारोह में 10 व्यक्तियों के शामिल होने की अनुमति प्रदाय की जावेगी। आम जनमानस को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने हेतु मास्क लगाने हेतु प्रोत्साहित किया जाए तथा मास्क न लगाने वालों पर जुर्माने की कार्यवाही की जावे। शासन द्वारा जारी होम क्वारंटीन की गाईड लाईन का पालन कराया जाये। होम क्वारंटीन में घर के बाहर पोस्टर लगाया जावे तथा शपथ पत्र प्राप्त किये जाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिये गये, साथ ही होम क्वारेटीन के नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना की व्यवस्था भी की जावे।

प्रधानमंत्री से राहत पैकेज की मांग ,जिप्सी चालक और गाइड ने की मांग

महाराज पुष्पराज सिंह ने लिखा पीएम को पत्र

नव प्रदेश संवाददाता

उमरिया । कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सरकार ने सुरक्षा की दृष्टि से पूरे देश मे लोकंडाउन कर दिया गया था जिसकी वजह से छोटे रोजगार धंधे व्यापार से जुड़े लोगों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिसको लेकर केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने अलग अलग राहत पैकेज की घोषणा की है वहीं सरकार के द्वारा किए गए लोकंडाउन की वजह से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पर्यटन से जुड़े जिप्सी चालक और गाइड का काम कर रहे लोगों की हालत बेहद खराब हुई है जिस पर महाराजा पुष्पराज सिंह जी ने देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को पत्र लिखकर इन जिप्सी चालक ,जिप्सी मालिक पार्क में पर्यटन के क्षेत्र में काम कर रहे गाइडो की सहायता की मांग की है। बाघो की संख्या में इजाफा और



वन दर्शन में पर्यटन के अच्छे अवसर की वजह से मध्यप्रदेश को टाइगर स्टेट का दर्जा तो मिल गया लेकिन यहाँ के टाइगर रिजर्व में पर्यटन से जुड़े जिप्सी चालक और गाइड की हालत आर्थिक रूप से कोराना काल के लोकंडाउन की वजह से खराब हो गई देश के मुखिया ने सभी वर्गों के लोगों के लिए पैकेज की घोषणा की है लेकिन टाइगर रिजर्व के पर्यटन क्षेत्र से जुड़े इन लोगों को किसी प्रकार की राहत नही दी गई है जब टाइगर रिजर्व में पर्यटन का समय था और पर्यटकों की आवाजाही की वजह से पर्यटन से जुड़े व्यवसायी और कामगारों को दो पैसे का लाभ होता उस समय पूरे देश मे लोकंडाउन लग गया

जिसकी वजह से टाइगर रिजर्व बंद हो गया और पर्यटन भी बन्द हो गया पर्यटन के क्षेत्र में काम कर रहे लोग बेरोजगार हो गए और इस पूरे लोकंडाउन समय मे जिप्सी चालक गाइड सभी घर मे ही बैठे रहे एवं रोजगार का अन्य दूसरा साधन ना होने की वजह से भुखमरी की कगार पर आ गए है एवं प्राइवेट फाइनेंस कंपनियों ने पूरे लोकंडाउन में डिस्ट ली है जिससे और भी कर्ज में जिप्सी मालिक हो गए है इसके विरोध में रीवा महाराजा पुष्पराज सिंह जी की अगुवाई में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक और अनुविभागीय अधिकारी मानपुर को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा है ।

शिवराज पॉजिटिव: दिग्विजय का तंज, कहा- क्या पुलिस आप पर भी दर्ज करेगी केस?

आपको सोशल डिस्टेंसिंग रखनी थी, जो आपने नहीं किया, मुझ पर तो एफआईआर हुई, आप पर कैसे करते?

कोरोना के नियमों का पालन नहीं करने पर ट्विटर पर सीएम शिवराज की आलोचना हो रही

कोरोना संक्रमित होने वाले देश के पहले मुख्यमंत्री हैं शिवराज सिंह चौहान, 22-23 जुलाई को कैबिनेट बुलाई थी

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। वह देश के पहले मुख्यमंत्री हैं, जो संक्रमित हुए हैं। इसके बाद

उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करने वालों के संदेशों की ट्विटर पर बाढ़ आ गई। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ट्वीट करके तंज भी कसा है। उन्होंने लिखा- दुख है शिवराजजी आप कोरोना संक्रमक पाए गए। ईश्वर आपको शीघ्र स्वस्थ करें। आपको सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखना था जो आपने नहीं रखा। मुझ पर तो भोपाल पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली थी, आप पर कैसे करते। आगे अपना ख्याल रखें। ट्विटर पर कोरोना के नियमों की धज्जियां उड़ाने और लापरवाही बरतने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की आलोचना भी हो रही है। एक यूजर अश्वत मेहता ने लिखा कि इन्होंने सारे नियमों और गाइडलाइन का उल्लंघन किया। इसलिए पॉजिटिव आए हैं। कोरोना ने ईमानदारी से अपना काम किया। ट्विटर पर शिवराज टॉप



ट्रेंड में आ गए हैं। हर 5-10 मिनट में एक ट्वीट किया जा रहा है। शिवराज ने 22 जुलाई यानि बुधवार को कैबिनेट की मीटिंग बुलाई थी,

इसमें अरविंद भदौरिया और अन्य सभी मंत्री शामिल हुए थे। इसके बाद 22 और 23 को ही मंत्रियों से वन-टू-वन चर्चा हुई थी। इसमें दो

रूप में बांटेकर मंत्रियों से अलग-अलग मिले थे। उन्होंने मंत्रियों को उनके विभाग की ओर से विकास योजनाओं और आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के रोडमैप पर चर्चा की थी। इसके बाद 23 जुलाई को शाम भाजपा के प्रदेश कार्यालय में मांथाता से कांग्रेस विधायक रहे नारायण पटेल को पार्टी में शामिल कराया था। इसके साथ वह हर रोज शाम को कोरोना की समीक्षा बैठक करते रहे। इस दौरान गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा भी उनके संपर्क में लगातार आ रहे थे। दिग्विजय ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा कि, दुख है कि शिवराज जी आप कोरोना संक्रमक पाए गए, ईश्वर आपको शीघ्र स्वस्थ करें, आपको सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखना था, जो आपने नहीं रखा। मुझ पर तो भोपाल पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली थी, आप पर कैसे करते। आगे

अपना ख्याल रखें। कोरोना संक्रमण का शिकार हुए सीएम शिवराज ने शनिवार सुबह खुद ट्वीट करते हुए इस बात की पुष्टि की थी कि, उनकी कोविड-19 रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उन्होंने बताया था कि, बीते कई दिनों से उन्हें कोरोना के लक्षण महसूस हो रहे थे, जिसके बाद टेस्ट कराने पर उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई। हालांकि, सीएम ने ये अपील भी की थी कि, जो लोग भी उनके संपर्क में आए हैं, वो भी अपना कोरोना टेस्ट करा लें। साथ ही, उनके करीबी रहने वाले लोग खुद को क्वारंटीन करें। सीएम ने अपने एक ट्वीट में ये भी कहा कि, वो कोविड 19 की सभी गाइडलाइंस का पालन कर रहे हैं। डॉक्टर की सलाह अनुसार, वो क्वारंटीन हैं।

पीएम मोदी और अमित शाह पर दिग्विजय का तंज

दिग्विजय का पीएम मोदी और अमित शाह पर तंज, कहा- इस तरह प्रजातंत्र कैसे रहेगा जिंदा

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए उन्हें संविधान और नियम नहीं मानने वाला बताया है। दिग्विजय ने आरोप लगाते हुए कहा कि, दोनों ने दबाव और पैसे से पहले गुजरात को चलाया और अब वो देश को चलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि, ऐसी स्थिति में प्रजातंत्र जिंदा कैसे रहेगा। दिग्विजय ने ये भी कहा कि, बीजेपी के पास इतना पैसा है कि, वो किसी से भी नाम वापस करवा सकते हैं और निर्विरोध चुनाव जीत सकते हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि, प्रजातंत्र के लिए जो 20-25 करोड़ हो रहा है, क्या वह अच्छा है?

कांग्रेस का साथ छोड़ने वाले विधायक थे पैसों की तंगी से परेशान- दिग्विजय

दिग्विजय ने आगे ये भी आरोप लगाए कि, मध्य प्रदेश में कांग्रेस के टिकट पर चुन कर आए जिन विधायकों ने अब तक इस्तीफा दिया, बीजेपी ने पैसे देकर उन्हें अपनी सदस्यता ग्रहण करवाई है। उन्होंने दावा किया था कि, इस्तीफा देने वाले एक विधायक ने उनसे भी आठ करोड़ का कर्ज



उतारने में मदद मांगी थी। एक अन्य इस्तीफा देने वाला विधायक पैसों की तंगी के कारण उसकी मांग कर रहा था। दिग्विजय ने बीजेपी पर काली कमाई के पैसे से विधायकों की खरीद-फरोख्त करने का आरोप लगाया है। मध्य प्रदेश बीजेपी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि, हंसी आती है, जो लोग बीजेपी की नीति-रीति के खिलाफ चुनाव लड़कर जीते हों और जनता ने भी बीजेपी के कार्यकाल से नाराज होकर उन्हें चुन कर भेजा हो। अब जब वो एक बार फिर जब जनता के बीच में जाएंगे तो उन्हें पता चल जाएगा। उचित मुहूर्त के बिना ही हो रहा राम मंदिर निर्माण का शिलान्यास- दिग्विजय

अयोध्या में होने वाले राम मंदिर निर्माण के शिलान्यास के मुहूर्त पर सवाल उठाते हुए दिग्विजय ने कहा कि, मुहूर्त देखने का काम बीजेपी और कांग्रेस का नहीं है। ये जिम्मेदारी पंडित की होती है। लेकिन, मोदी जी ने पंडितों का ये रोजगार भी छीन लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि, राम मंदिर का शिलान्यास मुहूर्त के अनुसार नहीं बल्कि प्रधानमंत्री की सुविधानुसार किया जा रहा है। दिग्विजय सिंह ने दोहराया कि शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद ने मुहूर्त देखा है, उसे ही जनता के बीच में उन्होंने रखा है। दिग्विजय ने स्वामी स्वरूपानंद बयान को सफ़ट करते

उदाहरण देते हुए समझाई बात

दिग्विजय ने उदाहरण देते हुए कहा कि, जिस तरह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फांस में रहते हुए राफेल जहाज खरीदने के दौरान उसपर नीबू टांगा, कहीं स्वास्तिक बनाया, उन्होंने देश से बाहर रहते हुए तो मान्यताएं निभाईं, लेकिन जिस देश में हजारों वर्षों से मुहूर्त देखने की मान्यताएं हैं, फिल भले ही शादी करनी हो, घर से निकलना हो, शिलान्यास करना हो, इन सभी कार्यों को करने से पहले मुहूर्त देखा जाता है, मंदिर निर्माण के लिए मुहूर्त देखने को महत्व नहीं दिया जा रहा। दिग्विजय ने ये भी कहा कि, ये पहला शिलान्यास समारोह है जहां धर्म गुरुओं को ही नहीं बुलाया जा रहा, रमानंदी संप्रदाय के लोगों को भी नहीं बुलाया जा रहा। समारोह में सिर्फ विश्व हिंदू परिषद, संघ और बीजेपी के नेता ही शामिल होंगे। राम मंदिर निर्माण का शिलान्यास खराब मुहूर्त में हो रहा है इसके प्रमाण भी दिये जा चुके हैं।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा अभी भी बिना मास्क के लोगों से मिलजुल रहे, सोशल मीडिया पर बिना मास्क के फोटो शेयर कर रहे

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की जो तस्वीरें सामने आ रही हैं वे हेरान करने वाली हैं

गृहमंत्री दतिया में बिना मास्क लगाए घूम रहे हैं और लोगों से मुलाकात कर रहे हैं

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को कोरोनावायरस का संक्रमण हुआ है। मुख्यमंत्री ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। अगर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बीते तीन दिन के कार्यक्रम पर गौर करें तो उन्होंने अपने 34 मंत्रियों से वन-टू-वन चर्चा की है। इतना ही नहीं इस बीच उन्होंने भाजपा कार्यालय में जाकर कई कार्यक्रमों में भी मुलाकात की है। इतना सब होने के बावजूद भी प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की जो तस्वीरें सामने आ रही हैं वे हेरान करने वाली हैं। गृहमंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र में बिना मास्क लगाए घूम रहे हैं और लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। खास बात ये



है कि गृहमंत्री खुद अपने ट्विटर हैंडल पर आम लोगों से बिना मास्क के मिलते हुए फोटो पोस्ट कर रहे हैं। संभवतः इस कोरोनाकाल के दौरान गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की एक ही तस्वीर ऐसी नजर नहीं आई है जिसमें वे मास्क लगाए नजर आ रहे हैं। मंगलवार की शाम को भी जब गृहमंत्री ने भोपाल में 10 दिन के लिए फिर से लॉकडाउन किए जाने का ऐलान किया था। उस दौरान भी वे मास्क नहीं लगाए थे। इतना ही नहीं उनके साथ जो लोग नजर आ रहे हैं। वे भी बिना मास्क के ही नजर आ रहे हैं।

बिना मास्क के घूम रहे और ऐसे ही फोटो पोस्ट कर रहे

शनिवार को गृहमंत्री नरोत्तम

मिश्रा ने दतिया के बड़ोनी नामक स्थान पर 3 करोड़ 66 लाख रुपए की लागत से बनने वाले मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल के लिए भूमिपूजन किया। गृहमंत्री यहां बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। इस दौरान भी वे बिना मास्क के नजर आए। इसके बाद गृहमंत्री दतिया में ही महावीर वाटिका में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे और कमजोर वर्ग के लोगों को राशन वितरित किया। यहां से गृहमंत्री सनोरा ग्राम में एक कार्यक्रम में गए और यहां भी बिना मास्क के नजर आए। बताया जा रहा है कि इससे पहले भोपाल में गृहमंत्री सेंट्रल जेल के दौर पर गए थे। यहां भी उन्होंने मास्क नहीं लगाया था।

फुटबॉल खेलने के विवाद में युवक ने 60 साल के प्रॉपर्टी व्यवसायी पर बैट से हमला किया, मौके पर मौत

जूनी इंदौर थाना क्षेत्र के ऑरेंज काउंटी टाउनशिप का मामला, हमला करने वाला युवक मौके से फरार

पुलिस ने बताया - बैट को फुटबॉल लगाने के बाद व्यवसायी नीचे आए थे, जिसके बाद विवाद बढ़ गया

नव प्रदेश संवाददाता

इंदौर। जूनी इंदौर थाना क्षेत्र में देर रात बच्चों के विवाद में एक 60 साल के प्रॉपर्टी व्यवसायी की जान चली गई। बच्चों का विवाद सुलझाने आए प्रॉपर्टी व्यवसायी एक युवक ने क्रिकेट बैट से हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट आने से वे जमीन पर गिरे और मौके पर ही दम तोड़ दिया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। जूनी इंदौर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ऑरेंज काउंटी टाउनशिप के अंदर 60 वर्षीय बुजुर्ग की



क्रिकेट का बल्ल मारकर हत्या कर दी गई। बताते हैं कि बच्चों के खेलने को लेकर विवाद हुआ था, इसी विवाद में बिल्डिंग के पास रहने वाले युवक ने वृद्ध को क्रिकेट का बल्ल मार दिया। उन्हें चोइथराम अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सीएसपी जूनी इंदौर दिशेष अग्रवाल ने बताया कि बुजुर्ग का नाम लखीचंद राजानी था। लोगों ने बताया कि मल्टी में बच्चों के खेलने को लेकर वह रोक-टोक कर रहे थे, तभी मानव नामक युवक ने विवाद किया। कहासुनी के

दौरान उन पर बल्ले से हमला कर दिया तो वे बेहोश हो गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बच्चों के विवाद में किया हमला

लखीचंद्र के भाई लालचंद राजानी ने बताया कि बच्चों के विवाद को बड़े भाई सुलझाने गए थे, जहां मानव ने उनके सिर पर बैट से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पता चला है कि जिन्होंने हमला किया है, कुछ समय पहले ही ग्वालियर से यहां रिफ्ट हुए हैं। वे भी बड़े भाई की तरह प्रॉपर्टी का काम करते हैं। एडिशनल एसपी राकेश व्यास ने बताया कि रात 10 बजे के करीब घटना है। मल्टी के बच्चे यहां रात में फुटबॉल खेल रहे थे। खेल के दौरान जीतेश को फुटबॉल लग गई। इसके बाद बच्चे और जीतेश में विवाद होने लगा। विवाद को देखते हुए जीतेश के पिता लखीचंद राजानी मौके पर पहुंचे।

कोरोना के चलते राखी पर इनकी कलाई रहेगी सूनी, 31 अगस्त तक मुलाकात पर रोक

जेल मुख्यालय ने आदेश जारी कर जेल में बंद बंदियों की मुलाकात पर 31 अगस्त तक रोक बढ़ा दी है। जेल में कोरोना संक्रमण का डर लगातार बढ़ता जा रहा है।

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोरोना संक्रमण का खतरा प्रदेश की जेल में भी लगातार बढ़ता रहा है, इसी के मद्देनजर आज जेल मुख्यालय ने आदेश जारी कर जेलों में होने वाली मुलाकातों पर रोक को बढ़ाकर 31 अगस्त कर दिया है। यानि कि अब जेल में बंद परिजनों को अपनों से मिलने के लिये अगले महीने और इंतजार करना पड़ेगा। इस बार राखी पर भी संक्रमण का खौफ दिख रहा है। जेल प्रशासन के नये आदेश के बाद लग रहा है कि राखी पर बंदियों को



राखी बांधने के लिए उनकी बहनें और परिवार के लोगों को अनुमति नहीं मिलेगी।

मुलाकात 31 अगस्त बाद

अभीतक जेल मुख्यालय ने बंदियों की मुलाकात पर 30 जुलाई तक प्रतिबंध लगाया था। अब यह तारीख अब आगे बढ़ गयी है। जेल प्रशासन कोरोना संक्रमण का तेजी से बढ़ने के चलते परेशान है। जेल अधिकारियों की

माने तो राखी पर जिस तरह बंदियों के परिजन की भीड़ लगती है उसमें कोरोना संक्रमण फैलने का डर रहता। राखी बांधते समय सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो सकता है। त्योहार पर जेल में आने वाली भीड़ की एक साथ थर्मल स्क्रीनिंग भी संभव नहीं है। इसके अलावा थर्मल स्क्रीनिंग से बचने के लिए बुखार की गोलियों का सहारा भी लेते हैं। अगर कोई कोरोना संक्रमित दवाओं के सहारे बुखार को छिपाकर

मुलाकात में आता है तो उसके जरिए कोरोना का फैलना तय है।

मुलाकात पर रोक

जेल अधिकारी कहते हैं कि 31 अगस्त तक तो बंदियों से मुलाकात पर ही रोक है। राखी का त्योहार 3 अगस्त को है। जेल मुख्यालय भी त्योहार पर संक्रमण के खतरे को लेकर परेशान है। इसलिये बंदियों से मुलाकात पर रोक की तारीख को मुख्यालय ने आगे बढ़ा दिया है। कोरोना मरीजों की गिनती में लगातार इजाफे को लेकर बंदियों की पैराल वापसी की तारीख भी पशोपेश में है। जेल प्रशासन के मुताबिक पैराल पर वापसी आने की मियाद 25-26 जून रखी गई थी, लेकिन अब इसे भी बढ़ाया जा सकता है। जेल मुख्यालय से इस बारे में आदेश का आने का इंतजार है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा ने मेपकास्ट में कहा

वैज्ञानिक गांवों में रोजगार देने वाले क्षेत्रों में अनुसंधान करें

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा ने कहा है कि वैज्ञानिकों को ऐसे विषयों और क्षेत्रों में अनुसंधान करना चाहिए जिससे गांव में रहने वाले लोगों तक रोजगार के अवसर पहुंचे और वे आत्मनिर्भर बन सकें। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के जरिए ग्रामीणों इलाकों में छोटे-छोटे नए केंद्र बनाकर ग्रामीणों को रोजगार के अवसरों से परिचित कराने की आवश्यकता है। मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) में हुई बैठक में वैज्ञानिकों

को संबोधित कर रहे थे 7 बैठक में विभिन्न विभागों के वैज्ञानिकों ने प्रेजेंटेशन दिया। श्री सकलेचा ने कहा कि देश में चीन में बने सामान का विरोध जारी है। हमारे यहां स्वदेशी उत्पादों को महत्व देने और ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आम लोगों के बीच विज्ञान की शोध परियोजनाओं की सही और उपयोगी जानकारीयां पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को गलत अथवा भ्रामक सूचनाओं से दूरी बनाना चाहिए। मंत्री सकलेचा ने औषधीय और



आयुर्वेदिक वनस्पतियों को उगाने वाली वैज्ञानिक तकनीक टिश्यू कल्चर में विशेष रुचि दिखाते हुए कहा कि प्रदेश में इसकी व्यवसायिक संभावनाओं का पता लगाने की दिशा में अनुसंधान करना चाहिए। बैठक में परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सामाजिक और आर्थिक विकास के अनेक कार्य किए जा सकते हैं। डॉ. कोठारी ने कहा कि परिषद ने प्रदेश में अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से वैज्ञानिक जागरूकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में योगदान किया है। इस अवसर पर कार्यकारी संचालक श्री तस्लीम

हबीब ने परिषद की गतिविधियों का प्रेजेंटेशन दिया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा ने मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का कार्यभार ग्रहण करने के बाद पहली बार विज्ञान भवन में जलवायु परिवर्तन, अनुसंधान केंद्र में स्थापित ओएसएल रिसर्च लैब, जैव प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र लांट, टिश्यू कल्चर प्रयोगशाला और सुदूर सेवेदन उपयोग केंद्र की भौगोलिक सूचना प्रणाली एवं इमेज प्रोसेसिंग लैंड यूज एवं अर्थन सर्वे प्रभाग की प्रयोगशाला की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन भी किया।